बालाजी का डंका | by Sunil Sarvottam

जय हो अंजनी लाल केसरी नंदन प्यारे.....

एक हाथ में पर्वत साजे दूजे गदा विराजे
बालाजी बजरंग बली का जग में डंका बाजे, जग में डंका बाजे
एक हाथ में पर्वत साजे.....

लाल लंगोटा हाथ में सोटा तन सिन्दूरी चोला
उनकी जल्दी सुन लेता है राम राम जो बोला
सोये भाग जगा देता है बिगड़ी बात बनादे, बिगड़ी बात बनादे
एक हाथ में पर्वत साजे.....

भोग मेरे बजरंग बली का देसी घी का चूरमा
इनके बल से कांपे दानव आये कितने सूरमा
एक हाँक से बालाजी की भूत प्रेत भी भागे, भूत प्रेत भी भागे
एक हाथ में पर्वत साजे.....

सच्चे मन से बालाजी को जिसने पुकारा
दीन दुखी मजबूरों को वो देते हैं सहारा
बालाजी को सभी मनाते क्या राजे महाराजे, क्या राजे महाराजे
एक हाथ में पर्वत साजे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a1%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%be-by-sunil-sarvottam/